Dainik Bhaskar (Indore), 13th August 2024, Front Page – plus 09

एनआईआरएफ रैंकिंग • टॉप-10 में 7 आईआईटी, टॉप 100 उच्च शिक्षा संस्थानों में छग, हरियाणा का एक भी नहीं

आईआईटी मद्रास छठी बार नंबर-1, टॉप-100 में आईआईटी इंदौर और भोपाल का आइसर भी, सूची में दक्षिण के 36 इंस्टीट्यूट

भास्कर न्यूज | नई दिल्ली

आईआईटी मद्रास लगातार छठे साल देश का सर्वश्रेष्ठ उच्च शिक्षण संस्थान बना है। सोमवार को शिक्षा मंत्रालय ने देश के 10,845 उच्च शिक्षण संस्थानों की रैंकिंग जारी की है। इसके मुताबिक नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) 2024 में आईआईटी मद्रास ओवरऑल नंबर-1 रहा है। बेंगलुरू का आईआईएससी भी लगातार छठे साल दूसरी रैंक कायम रखने में सफल रहा। टॉप-10 उच्च शिक्षण संस्थानों में 7 आईआईटी हैं। आईआईटी इंदौर टॉप-100 संस्थानों में है। टॉप-100 स्थानों में 36 दक्षिणी राज्यों से हैं।

16 श्रेणियों में से 8 में ही मप्र के शिक्षण संस्थान स्थान हासिल कर सके हैं। इनमें कुल 9 संस्थान हैं, जिनमें भोपाल के पांच, इंदौर के तीन और ग्वालियर का एक शिक्षण संस्थान शामिल है। भोपाल का मैनिट दो कैटेगरी में शामिल है। शेष में आईसर, एसपीए, एनएलआईयू और एम्स हैं।

आईआईटी मद्रास इसलिए नंबर-1... 2023 में 435 पेटेंट

इंक्यूबेटेड स्टार्टअप माइंडग्रोव सिक्योर आईओटी का डिजाइन व निर्माण शुरू किया, जो भारत का पहला कमर्शियल सिस्टम ऑन चिप है। 2023-24 में 435 पेटेंट हासिल हुए। 2024 में 378 पेटेंट आवेदन हो चुके हैं। 513 करोड़ रुपए का फंड जुटाया। 83% से अधिक छात्रों को संस्थागत प्लेसमेंट मिली। - प्रो. वी. कामकोटि, निदेशक, आईआईटी मद्रास

मप्र: आईआईएम इंदौर इस साल भी 8वें स्थान पर

संस्थान	रैंकिंग
ओवरऑल (टॉप 100)	
आईआईटी, इंदौर	33
आईसर, भोपाल	78
स्टेट यूनिवर्सिटी (टॉप-50)	
डीएवीवी, इंदौर	50
रिसर्च कैटेगरी (टॉप 50)	
आईआईटी, इंदौर	27
इंजीनियरिंग (टॉप 100)	
आईआईटी, इंदौर	16
मैनिट, भोपाल	72
मैनेजमेंट (टॉप 100)	
आईआईएम, इंदौर	8
आईआईआईटीएम,ग्वालियर	85
आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग (टॉप 40)	
एसपीए, भोपाल	12
मैनिट, भोपाल	17
लॉ कैटेगरी (टॉप 40)	
एनएलआईयू, भोपाल	21
मेडिकल (टॉप 50)	
एम्स,भोपाल	31

नई जुड़ी स्टेट पब्लिक यूनिवर्सिटी कैटेगरी में डीएवीवी टॉप 50 में

इंदौर | केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा नेशनल इंस्टिट्यूशन रैंकिंग फ्रेमवर्क-2024 में देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी (डीएवीवी) ने नई जुड़ी स्टेट पब्लिक यूनिवर्सिटी कैटेगरी में टॉप 50 में जगह बनाई है। उसे 50वीं रैंक मिली है। खास बात यह है कि प्रदेश से एकमात्र डीएवीवी को ही इस कैटेगरी में जगह मिली है। जबकि नैक से ए डबल प्लस ग्रेड लाने वाली ग्वालियर की जीवाजी यूनिवर्सिटी भी इस कैटेगरी में जगह नहीं बना पाई है।

- आईआईटी इंदौर एनआईआरएफ रैंक में इस बार आईआईटी इंदौर का दबदबा कम हुआ है। पिछली बार ओवरऑल कैटेगरी में 28वें नंबर पर था। इस बार 33वें पर रहा। 2023 में 14वें नंबर पर था। इस बार 16वें पर आ गया है। यानी 2 रैंक पीछे खिसका है। 2022 में भी आईआईटी इंदौर 16 वीं रैंक पर ही था। हालांकि आईआईटी इंदौर का स्कोर पिछले साल की तुलना में बढ़ा है। ओवरऑल कैटेगरी में आईआईटी का स्कोर भी घटा है। 2023 में उसका स्कोर 58 था। इस बार 57.3 पर आ गया है। वहीं इंजीनियरिंग कैटेगरी में उसका स्कोर 63.93 से बढ़कर 64.72 हो गया है।
- आईआईएम इंदौर : मैनेजमेंट कैटेगरी में इस बार भी आईआईएम इंदौर को 8वीं रैंक मिली है। एनआईआरएफ रैंकिंग में पिछले साल 71.95 अंक मिले थे, जो बढ़कर 73.53 हो गए हैं।
- डीएवीवी यूनिवर्सिटी कैटेगरी में पिछले साल की तरह ही इस बार भी 101 से 150 के बैंड में शामिल है।
- एसजीएसआईटीएस इस बार इंजीनियरिंग की 201 से 300 की रैंक में आया है। पिछले बार रैंक नहीं मिली थी। 2022 में 202 रैंक थी।
- शासकीय डेंटल कॉलेज भी इस बार सूची से गायब है। डेंटल कैटेगरी में पिछले साल 32वीं रैंक पर था। जबकि 2022 में वह 39वें नंबर पर था।